दशमी कक्षा

सैद्धान्तिक पूर्णांकाः 80 **अवधि घण्टात्रयम्**

क खण्डः	अपठित–अवबोधनम्	12 अंकाः
ख खण्डः	रचनात्मकं कार्यम्	16 अंकाः
ग खण्डः	अनुप्रयुक्त–व्याकरणम्	24 अंकाः
घ खण्डः	पठित–अवबोधनम्	28 अंकाः

'क' खण्डः अपठित–अवबोधनम् — 12 अंकाः
(सरलगद्यांशम् आधारितं कार्यम्– गद्यांशद्वयम्)

1. 40–50 शब्दपरिमितः गद्यांशः (एकः सरलगद्यांशः) — 05 अंकाः
- एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि (3)
- भाषिककार्यम (2)

2. 80–100 शब्दपरिमितः गद्यांशः, एकः सरलगद्यांशः — 07 अंकाः
(सरलकथा–घटनावर्णनम् वा)

एकपदने पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि (2+2)
समुचित शीर्षकप्रदानम् (1)
भाषिककार्यम् (2)

(i) वाक्येकर्त्तृक्रियापदचयनमृ
(ii) कृतक्रिया – अन्वितिः
(iii) विशेषणविशेष्य– अन्वितिः
(iv) संज्ञास्थाने सर्वनामप्रयोगः अथवा सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः
(v) पर्यायं विलोमं वा पदं दत्त्वा अनुच्छेदे दत्तं पदचयनम्।

'ख' खण्डः रचनात्मकं कार्यम् — 16 अंकाः
(अभ्यासपुस्तक–आधारितम्)

3. संकेताधारितम अनौपचारिकपत्रम् — 04 अंकाः

4. संकेताधारितं संवादलेखनम् — 04 अंकाः

5. चित्राधारितम वर्णनम अथवा संकेताधारितम अनुच्देद–लेखनम् — 08 अंकाः

'ग' खण्डः अनुप्रयुक्त व्याकरणम् — 24 अंकाः
(अभ्यासपुस्तकम् आधारितम्)

6. सन्धिकार्यम् — 03 अंकाः
- **स्वरसन्धिः** – दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण्, अयादि, पूर्वरूपम् (1)
- **व्यंजनसन्धिः** – परसवर्णं, छत्वं, तुक–आगमः,मोऽनुस्वारः, वर्गीयप्रथमाक्षराणां तृतीयवर्णपरिवर्तनम्, प्रथमवर्णस्य, पंचमवर्णे परिवर्तनमृ। (1)
- **विसर्गसन्धिः** – विसर्गस्य उत्वं, रत्वं, लोपः विसर्गस्थाने स्, श्, ष। (1)

7. समासः (वाक्येषु समस्तपदानां विग्रहः विग्रहपदानां च समासः) (3X1) — 03 अंकाः
- तत्पुरूषः (विभक्तिः, नञ्, उपपदः)
- कर्मधारयः (विशेषण–विशेष्यम्, उपनाम–उपमेयम्)
- द्विगुः
- द्वन्द्वः
- बहुव्रीहिः समानाधिकरणम्
- अव्ययीभावः (अनु, उप, सह, निर्, प्रति, यथा)

8. प्रत्ययाः (3X1) — 03 अंकाः
- अधोलिखित– प्रत्यययोगैः वाक्यसंयोजनम, रिक्तस्थानपूर्तिः
- कृदन्ताः तव्यत्, अनीयर, शतृ, शानच्।
- तद्धिताः मतुप्, इन्, ठक्, त्व, तल्।
- स्त्रीप्रत्ययौ टाप्, डीप्।

9. अव्ययपदानि (कथायाम् अनुच्छेदे संवादे वा अव्ययानां प्रयोग) — 03 अंकाः
अपि, अति, इव, उच्चैः, एव, कदा, कुतः, नूनम्, पुरा, मा, इतस्ततः, यत, अत्र–तत्र, यत्र–कुत्र,

इदानीम्, सम्प्रति यदा–कदा, यथा–तथा, यावत्–तावत्, विना, सहसा, श्वः, ह्यः, अधुना, बहिः, वृथा, कदापि, शनैः, किमर्थम्।

10. वाच्यपरिवर्तनम (केवलं लटल्कारे) 03 अंकाः

11. घटिकाचित्रसाहाय्येन अङ्कानां स्थाने शब्देषु समय–लेखनम् 04 अंकाः

सामान्य–सपाद–सार्ध–पादोन

12. सङ्ख्या एकतः पंचपर्यन्तं वाक्यप्रयोगः। एकतः शतपर्यन्तं संख्याज्ञानम् 02 अंकाः

13. वचन–लिङग–पुरूष–लकार–दृष्ट्या संशोधनम् 03 अंकाः

'घ' खण्ड (पठित अवबोधनम्) **28 अंकाः**

14. पठित–सामग्रीम् आधृत्य अवबोधनकार्यम् 15 अंकाः

एकः गद्यांशः (1+2+2) (5)

एकः पद्यांशः (1+2+2) (5)

एकः नाट्यांशः (1+2+2) (5)

प्रति–अशंम आधारितम् अवबोधनकार्यम् एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि, रिक्तस्थानपूर्तिः *(1+2)*

- **भाषिककार्यम्** *(2)*
  - i. वाक्ये कर्तृक्रियापदचयनम्
  - ii. कृर्तक्रिया–अन्वितिः
  - iii. विशेषणविशेष्य–अन्वितिः
  - iv. संज्ञास्थाने सर्वनामप्रयोगः अथवा सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः
  - v. पर्यायं विलोमं वा पदं दत्त्वा अनुच्छेदे दत्तं पदचयनम्।
  - vi. विशेषण– विशेष्यचयनम्, कर्तृक्रियाचयनम्

15. भावावबोधनम् (अंशद्वयम) (2+2) 04 अंकाः

(रिक्तस्थानपूर्तिद्वारा, विकल्पचयनेन, शुद्ध–अशुद्धमाध्यमेन, समभावसूक्तिमाध्यमेन वा)

16. अन्वये रिक्तस्थानपूर्तिः (1+1) 02 अंकाः

17. प्रश्ननिर्माणम् (चत्वारः) 02 अंकाः

18. क्रमरहित–षष्ठवाक्यानां कथाक्रमसंयोजनम् कथापूर्तिः वा 03 अंकाः

19. सन्दर्भ–शब्दानां प्रयोगः शब्दार्थ– मेलनम् वा 02 अंकाः

नोट– <u>प्रश्नपत्र में पूछे जाने वाले प्रश्नों में 20% भारांक (16 अंक) के वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से आधे प्रश्न (08 अंक) अनिवार्य रूप से बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।</u>

आन्तरिक मूल्यांकन– 20 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक)– कक्षा 9 व 10 में विषय में आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् किया जायेगा–

क्र0सं0	मूल्यांकन बिन्दु	निर्धारित अंक
1	श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)	4
2	वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)	4
3	परियोजना कार्य– अ) विषयवस्तु, भाषा एवं प्रस्तुति, मौलिकता ब) परियोजना कार्य पर आधारित मौखिकी	 4 3
4	सतत मूल्यांकन (इकाई परीक्षा)	5
	कुल योग	**20**

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन बिन्दु–

1. श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)- सुनना (LISTENING)

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को जानना।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF LISTENING)

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होगा। परीक्षक को सुनते–सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहुविकल्पीय प्रश्न अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं।

2. वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)- बोलना (SPEAKING)

- भाषण, वाद–विवाद
- गति, लय, आरोह–अवरोह सहित सस्वर कविता–वाचन
- वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
- कार्यक्रम–प्रस्तुति
- कथा–कहानी अथवा घटना सुनना
- परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
- भावानुकूल संवाद–वाचन

वार्तालाप की दक्षताएँ

टिप्पणी– वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF SPEAKING)

- चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णनः इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
- किसी चित्र का वर्णनः (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं।)
- किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सकें।
- कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी–

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाय।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों जैसे– कोई चुटकुला या हास्य–प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गये सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी प्रश्न पत्र प्रारम्भ कर दें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

3. परियोजना कार्य (PROJECT WORK)

विद्यार्थी को शैक्षिक सत्र में विषय से सम्बन्धित एक प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। विद्यार्थी प्रोजेक्ट कार्य हेतु विषय से सम्बन्धित किसी भी टॉपिक का विषयाध्यापक से परामर्श कर चयन कर सकता है।

4. सतत मूल्यांकन–इकाई परीक्षा (CONTINUOUS ASSESSMENT- UNIT TEST)

कक्षा 9–

सत्र में कुल 04 इकाई परीक्षायें होंगी (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 02 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त)। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। इसी प्रकार वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु अन्तिम दो इकाई परीक्षाओं (तृतीय व चतुर्थ) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

कक्षा 10–

सत्र में कुल 03 इकाई परीक्षायें (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 01 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त) तथा 01 प्री–बोर्ड परीक्षा होगी। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। परिषदीय् परीक्षा के आन्तरिक मूल्यांकन हेतु तीन इकाई परीक्षाओं में से सर्वाधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

1. **शेमुषी प्रथमो भाग,** (कक्षा 9) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
2. **शेमुषी द्वितीया भाग,** (कक्षा 10) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
3. **व्याकरणवीथिः,** व्याकरणपुस्तकम् एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।

शेमुषी प्रथमो भागः		**शेमुषी द्वितीयो भागः**	
1. भारतीवसन्तगीतिः	6. लौहतुला	1. शुचिपर्यावरणम्	6. सौहार्द प्रकृतेः शोभा
2. स्वर्णकाकः	7. सिकतासेतुः	2. बुद्धिर्बलवती सदा	7. विचित्रः साक्षी
3. गोदोहनम्	8. जटायोः शौर्यम्	3. शिशुलालनम्	8. सूक्तयः
4. सूक्तिमौक्तिकम्	9. पर्यावरणम्	4. जननी तुल्यवत्सला	9. भूकम्पविभीषिका
5. भ्रान्तो बालः	10. वाङ्मनः प्राणस्वरूपम्	5. सुभाषितानि	10. अन्योक्तयः

*****